Title: Need to include Gopalganj district, Bihar under the scheme for regeneration of traditional Industries- Laid.

डॉ. आलोक कुमार सुमन (गोपालगंज): मैं सरकार का ध्यान केन्द्र प्रायोजित स्कीम-पारंपरिक उद्योगों के उन्नयन एवं पुनर्निर्माण हेतु निधि योजना-(स्कीम ऑफ फंड फॉर रिजनरेशन ऑफ ट्रेडिशनल इंडस्ट्रीज) (स्फूर्ति)' की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। यह पारंपरिक क्षेत्रों के कारीगरों को मूल्यवर्धित पारंपरिक उत्पादों के उत्पादन के लिए सामूहिक रूप से संगठित करने की एक योजना है, जिससे कारीगरों को बढ़ी हुई और स्थायी आय प्राप्त हो । इस योजना के तहत कारीगरों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा, पारंपरिक कारीगरों को नई मशीनरी और कच्चे माल की खरीद, सामान्य सुविधा केंद्रों (सीएफसी) के निर्माण, प्रशिक्षण, परिचयात्मक दौरों, डिजाइन और विपणन हस्तक्षेप आदि के लिए सहायता प्रदान की जाती है। मेरे संसदीय निर्वाचन क्षेत्र, बिहार के गोपालगंज जिले में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है और पारंपरिक कारीगरों को वित्तीय सहायता प्रदान करने की आवश्यकता है। 'पारंपरिक उद्योगों के उन्नयन एवं पुनर्निर्माण हेतु निधि योजना' (स्कीम ऑफ फंड फॉर रिजनरेशन ऑफ ट्रेडिशनल इंडस्ट्रीज) (स्फूर्ति)' से पारंपरिक कारीगरों को नई मशीनरी और कच्चे माल के प्रावधान से निश्चित रूप से बिहार के जिला गोपालगंज में ग्रामीण क्षेत्रों का विकास होगा । अत: मैं माननीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री से अनुरोध करता हूं कि पारंपरिक कारीगरों को नवीनतम तकनीकों और सुविधाओं के प्रावधान के लिए 'पारंपरिक उद्योगों के उन्नउयन एवं पुनर्निर्माण हेतु निधि योजना (स्कीम ऑफ फंड फॉर रिजनरेशन ऑफ ट्रेडिशनल इंडस्ट्रीज) (स्फूर्ति) के तहत बिहार के जिला गोपालगंज को शामिल किया जाए ।